विकिपीडिया
एक मुक्त ज्ञानकोश

मुखपृष्ठ
चौपाल
हाल में हुए परिवर्तन
हाल की घटनाएँ
समाज मुखपृष्ठ
निर्वाचित विषयवस्तु
यादृच्छिक लेख

योगदान
प्रयोगपृष्ठ
अनुरोध
दान करें

सहायता
सहायता
स्वशिक्षा
अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न
देवनागरी कैसे टाइप करें
दूतावास (Embassy)

उपकरण
यहाँ क्या जुड़ता है
पृष्ठ से जुड़े बदलाव
फ़ाइल अपलोड करें
विशेष पृष्ठ
स्थायी कड़ी
इस पृष्ठ पर जानकारी
Wikidata प्रविष्टि
यह लेख उद्धृत करें
छोटा यू॰आर॰एल

विकि रुझान
आज के रुझान
हफ्ते भर के
महीने भर के

मुद्रण/निर्यात
पुस्तक बनायें
पीडीएफ़ रूप डाउनलोड करें
प्रिन्ट करने लायक

अन्य भाषाओं में
Deutsch
English
Español
Français
Italiano
한국어
Русский
اردو
中文
58 और भाषाएँ
कड़ी संपादित करें

तौहीद

मुक्त ज्ञानकोश विकिपीडिया से

एक ख़ुदा को मानना इस्लाम का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है। इसी का नाम तौहीद है, हजरत मुहम्मद [सल्ल०] दीन-ए-इस्लाम के आखरी पैग़म्बर हैं, दरअसल जब से दुनिया वजूद में आयी है यानी आदम [अलै०] से लेकर हजरत मुहम्मद [सल्ल०] तक धर्म या दीन तो एक ही रहा है यानि दीन-ए-इस्लाम। अल्लाह तआला ने हर कौम और हर जगह अपने सन्देश वाहक यानि पैगम्बर भेजे हैं, हजरत मुहम्मद [सल्ल०] इस सिलसिले की आखरी कड़ी हैं, आदम [अलै०] ने तौहीद यानि एक ख़ुदा को मानना और अल्लाह की ज़ात व उसकी सिफात में किसी को शरीक न करने की शिक्षा दी।

जैसे जैसे ज़माना तरक्की करता चला गया वैसे वैसे अल्लाह के पैगम्बर नयी नयी शिक्षाएँ लाते गए मगर बुनियादी शिक्षाएँ यानि [एक ख़ुदा को मानना और अल्लाह की ज़ात व उसकी सिफात में किसी को शरीक न करना] हर पैगम्बर ने बतायीं और उस पर अमल करने की शिक्षा दीं और खुद भी उन पर अमल करके दिखाया। दुनियावी चीजें मनुष्य, पशु, दृश्य प्रकृति, सब उसकी पैदा की हुई हैं। ईश्वर एकमात्र और उसका कोई साझी नहीं।

शहादत [संपादित करें]

शहादत रखने का मतलब है कि बंदा मन भाषा से यह स्वीकार करे कि इस ब्रह्मांड का निर्माता और मालिक सिर्फ़ अल्लाह है, वह सब पर फ़ाइक है, वह किसी की औलाद है न उसकी कोई औलाद है। केवल वही पूजा के योग्य है। किसी और के लिए इससे बढ़कर महिमा और रिफअत और शान-ए-किबरियाई की कल्पना भी कठिन है। वही सर्वशक्तिमान है और किसी को कोई शक्ति नहीं। उसका इरादा इतना शक्तिशाली और ग़ालिब है कि उसे संसार में सब मिलकर भी मगलूब नहीं कर सकते। उसकी शक्तियां और तसरफ़ात सीमा गिनती से बाहर हैं। क़ुरआन-ए-हकीम में है:

(النساء، 4 : 171) Oإنَّمَا اللهُ إلـهٌ وَاحِدٌ سُبْحَانَهُ أن يَكُونَ لَهُ وَلَدٌ لَّهُ مَا فِي السَّمَاوَات وَمَا فِي الأَرْضِ وَكَفَى بِاللهِ وَكِيلاً

अनुवाद: बेशक अल्लाह ही ईकता ईश्वर है, वह मुक्त है कि इसके लिए कोई औलाद हो, (सब कुछ) उसी का है जो स्वर्ग में है और जो कुछ ज़मीन में है और अल्लाह का कार निर्माता होना काफी है।

इस्लाम

पर एक श्रृंखला का भाग

धारणाएँ [दिखाएँ]
प्रथाएँ [दिखाएँ]
ग्रंथ और विधान [दिखाएँ]
इतिहास और नेता [दिखाएँ]
मुख्य शाखाएं [दिखाएँ]
संस्कृति और समाज [दिखाएँ]
अन्य संबंधित विषय [दिखाएँ]

इस्लाम प्रवेशद्वार

दे·वा·सं

दे·वा·सं **इस्लाम विषय** [दिखाएँ]

सन्दर्भ [संपादित करें]

यह इस्लाम से सम्बंधित लेख एक आधार है। जानकारी जोड़कर इसे बढ़ाने में विकिपीडिया की मदद करें।

श्रेणियाँ: इस्लाम | इस्लाम के पाँच मूल स्तंभ

यह सामग्री क्रियेटिव कॉमन्स ऍट्रीब्यूशन/शेयर-अलाइक लाइसेंस के तहत उपलब्ध है; अन्य शर्तें लागू हो सकती हैं। विस्तार से जानकारी हेतु देखें उपयोग की शर्तें